

2006

दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र-I

PHILOSOPHY

Paper-I

निर्धारित समय : तीन घंटे]

[पूर्णांक : 200

Time allowed : Three Hours]

[Maximum Marks : 200

निर्देश : (i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या 1 तथा 5 अनिवार्य हैं । इनके अतिरिक्त तीन अन्य प्रश्न हल कीजिए, जिनमें से प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न अवश्य हो ।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Note : (i) Answer five questions in all. Question Nos. 1 and 5 are compulsory. Attempt three more questions of which at least one must be from each Section.

(ii) All questions carry equal marks.

खण्ड - अ

SECTION - A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

- (अ) अरस्तू की कारणता की अवधारणा ।
- (ब) स्पिनोजा का द्रव्य का सिद्धान्त ।
- (स) विट्गिंस्टाइन का अर्थ का चित्र-सिद्धान्त ।
- (द) हुसर्ल की संवृत्तिशास्त्रीय प्रणाली ।

Write notes on any two of the following :

- (a) Aristotle's concept of causation.
- (b) Spinoza's theory of substance.
- (c) Wittgenstein's picture theory of meaning.
- (d) The phenomenological method of Husserl.

3. संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णयों की संभावना हेतु कांट के तर्कों की समीक्षा कीजिए ।

Examine critically Kant's arguments for the possibility of 'Synthetic Apriori Judgements.'

4. ए. जे. एअर के सत्यापन सिद्धांत की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए ।

Explain and evaluate A.J. Ayer's Verification Theory.

खण्ड – ब

SECTION – B

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

- (अ) बौद्ध का प्रतीत्य समुत्पाद का सिद्धांत ।
- (ब) गीता का निष्काम कर्मयोग ।
- (स) वैशेषिक का परमाणुवाद ।
- (द) रामानुज के अनुसार ईश्वर का स्वरूप ।

Write notes on any **two** of the following :

- (a) Buddhist Theory of Pratitya samutpāda.
- (b) Nishkam Karmyoga of Gita.
- (c) Atomism of Vaisesika.
- (d) The nature of God according to Rāmānuja.

6. सांख्य दर्शन के सत्कार्यवाद हेतु प्रदत्त तर्कों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the arguments given for 'Satkāryvāda' in Sāmkhya Philosophy.

7. पतञ्जलि के अष्टांगयोग की विवेचना कीजिए ।

Discuss 'Astāng-Yoga' of Patanjali.

8. शंकर के अनुसार 'ब्रह्म' और 'आत्मा' के स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

Explain the nature of 'Brahman' and 'Atman' according to Sānkara.